(c) what steps Government have taken to bring up the production of coal in the country and to build up buffer stock for the year 1978?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P. RAMACHANDRAN): (a) No, Sir;

(b) Does not arise.

(c) Since nationalisation there has been a steady investment by the Government in the coal industry. This has helped in raising the coal production from the level of 78 million tonnes in 1973 to an expected level of 11.5 million tonnes in 1977-78. During the period April, 1977 to February, 1978 the total production of coal has been 90.7 million tonnes. The stock of coal at the pithead as on 1st March 1978 is around 11.70 million tonnes, showing an increase of about 2 million tonnes over the stock of the previous two months and this proves that the stock of coal is adequate to meet the demand. Production programme for 1978-79 has been placed at 113 million tonnes.

Number of Comperes in T. V. Station, Delhi

*316. SHRI DHARMA VIR VASISHT: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) the total number of comperes with rural background, training in Agriculture and Urban background at the Krishi Darshan Programme at the Delhi T.V. Centre; and

(b) the steps taken to improve the aspect generally of conducting the Programme?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) There are in total 15 comperes with rural/urban background and training in agriculture for the Krishi Darshan Programme at Delhi TV Centre.

(b) Efforts are continuously made to ensure best talent with the objective of effective communication keeping in view the voice and presentation by the comperes.

आयुध उपकरण फैक्टरी, कानपुर

*317. **श्री दयाराम शाक्य** : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आयुध उपकरण, फैक्टरी कानपुर (हारनेस फैक्टरी) में चमड़ा सुखाने के लिए एक चेम्बर का निर्माण किया गया था और उस पर कितना व्यय किया गया तथा उसे पूरा न करने के क्या कारण है ;

(ख) क्या यह सच है कि फैक्टरी के भीतर एक पुराने टैंक को भरने में लाखों रुपए की कीमत का लोहे आदि का उपयोग किया गया था और क्या इस मामले में एक उच्च स्तरीय जांच कराने और दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करने का विचार है ; और

(ग) क्या यह भी सच है कि बबूल के पेड़ की छाल जो चमड़ा साफ करने के काम आती है खुले में पड़ी होने के कारण वर्षा से खराब हो रही है और इस सम्बन्ध में सरकार क्या कायवाही कर रही है ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शेर सिंह) : (क) जी हां। सम्बन्धित चैम्बर का निर्माण पूरा कर लिया गया है। व्यय अलग शीर्ष के अन्तर्गत नहीं किया गया था बल्कि उसे सारे रख-रखाव व्यय के अन्तर्गत किया गया क्योंकि इसमें अधिकतर छोटे-छोटे टुकड़े तथा रख-रखाव सम्बन्धी सामान लगाया गया है।

(ख) जी नहीं, भरान कार्य मलबे से किया गया है। इसके लिए जांच करने की आवश्यकता नहीं है इसलिए किसी तरह की जांच का कोई प्रस्ताव नहीं है।